[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 2094 **H**

Unique Paper Code : 62051413

Name of the Paper : Hindi–C

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Hindi–C**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. किन्हीं दो गद्यांगों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10×2=20)

(क) आज दोनों के सामने फिर वही सूखा भूसा लाया गया। दोनों चुपचाप खड़े रहे। घर के लोग भोजन करने लगे। उस वक्त छोटी सी लड़की दो रोटियाँ लिए निकली और दोनों के मुँह में देकर चली गई। उस एक रोटी से इनकी भूख तो क्या शांत होती; पर दोनों के हृदय को मानो भोजन मिल गया। यहाँ भी

P.T.O.

किसी सज्जन का घास है। लड़की भैरों की थी। उसकी माँ मर चुकी थी। सौतेली माँ उसे मारती रहती थी, इसलिए इन बैलों से उसे एक प्रकार की आत्मीयता हो गई थी।

(ख) जब मैं शाम को दफ्तर से आता तो घर के सभी लोग मेरे पास आकर दिन भर के अपने अनुभव सुनाते थे। बाद में वह भी आता था। वह एक बार मेरी ओर देखकर सिर झुका लेता और धीरे-धीरे मुस्कराने लगता। वह कोई बहुत ही मामूली घटना की रिपोर्ट देता।

- बाबू जी, बहिन जी का एक सहेली आया था। या बाबूजी, भैया सिनेमा गया था। इसके बाद वह इस तरह हँसने लगता था, गोया बहुत ही मजेदार बात कह दी हो।

(ग) काल के परिवर्तन की कैसी महिमा है जो अपने साथ ही मानुषी प्रकृति के परिवर्तन पर भी बहुत कुछ असर पैदा कर देता है। वाल्मीकि ने जिन-जिन बातों को अवगुण समझ अपनी कल्पना के प्रधान नायक रामचन्द्र ने बरकाया था वे ही सब व्यास के समय में गुम हो गई, जिनकी कविता का मुख्य लक्ष्य यही था कि अपना मान, अपना गौरव, अपना प्रभुत्व जहाँ तक हो सके न जाने पावे। भारत के हर एक प्रसंग का तोड़ अन्त में इसी बात पर है।

(घ) जब हम कभी वीरों का हाल सुनते हैं, तब हमारे अन्दर भी वीरता की लहरें उठती हैं और वीरता का रंग चढ़ जाता है। परन्तु वह चिरस्थायी नहीं होता इसका कारण सिर्फ यही है कि हममें भीतर वीरता का मलबा तो होता नहीं सिर्फ ख्याली महल उसके दिखलाने के लिए बनाना चाहते हैं। टीन के बर्तन का स्वभाव छोड़कर अपने जीवन के केन्द्र में निवास करो और सच्चाई की चट्टान पर दृढ़ता से खड़े हो जाओ अपनी जिन्दगी किसी और के हवाले करो, ताकि जिन्दगी के बचाने की कोशिशों में कुछ भी समय जाया न हो।

2. 'दो बैलों की कथा' का प्रतिपाद्य लिखिए। (12)

अथवा

बहादुर का चरित्र-चित्रण कीजिए।

3. 'गेहूँ बनाम गुलाब' निबंध में निहित संदेश स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

'साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है' स्पष्ट कीजिए।

4. हिन्दी निबंध की विकास यात्रा पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

हिन्दी कहानी का विकास क्रम स्पष्ट कीजिए।

5. 'गंगा स्नान करने चलोगे!' की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

'वापसी' संस्मरण का सार लिखिए।

6. निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए- (7)

(क) निर्मला का चरित्र

(ख) धीसा का चरित्र

(ग) प्रेमचन्द पूर्व कहानी